



मेरी सहेली ने मुझे अपने पापा से चुदवाया- 4

“Xxx अंकल चुदाई स्टोरी में मेरी सहेली की गांड उसके पापा ने मेरे सामने मारी. फिरे मेरी चूत अंकल ने मारी अपनी नंगी बेटी के सामने. सहेली की मम्मी इस पूरे खेल की भागीदार रही. ...”

Story By: गरिमा सेक्सी (garimaasexy)

Posted: Friday, November 10th, 2023

Categories: [रिश्तों में चुदाई](#)

Online version: [मेरी सहेली ने मुझे अपने पापा से चुदवाया- 4](#)

मेरी सहेली ने मुझे अपने पापा से चुदवाया- 4

Xxx अंकल चुदाई स्टोरी में मेरी सहेली की गांड उसके पापा ने मेरे सामने मारी. फिर मेरी चूत अंकल ने मारी अपनी नंगी बेटा के सामने. सहेली की मम्मी इस पूरे खेल की भागीदार रही.

कहानी के पिछले भाग

[सहेली के पापा के साथ ओरल सेक्स](#)

में आपने पढ़ा कि मेरी सहेली के घर मैं और वो उसके पापा के सामने नंगी थी. मैंने पहले उसके पापा यानि अंकल का लंड चूसा, फिर उन्होंने मेरी चूत चाट कर मेरा चूत रस निकाल कर चाट गये और मुझे चरम सुख दिया.

यह कहानी सुनें.

<https://www.antarvasna3.com/wp-content/uploads/2023/11/xxx-uncle-chudai-story.mp3>

अब आगे Xxx अंकल चुदाई स्टोरी :

अंकल ज्योति से बोले- चलो तुम्हारी सखी को ये भी कर के दिखाते हैं।

ज्योति बोली- हां, आपको तो बस मौका मिलना चाहिए मेरी गांड मारने का!

यह कहकर ज्योति ने पहले की तरह अपने दोनों हाथों को बिस्तर पर टिका लिया और झुक कर खड़ी हो गई और अपने पापा से बोली- पापा, प्लीज थूक लगा कर मत करिएगा. क्रीम लगा लीजिए।

अंकल ने बिस्तर के सिरहाने में लगे दर्राज में से एक शीशी निकाली और ज्योति के पीछे आकर खड़े हो गए।

उन्होंने शीशी में से तेल लेकर पहले अपने लंड पर लगाया, फिर ज्योति की गांड के छेद पर थोड़ा सा तेल टपका दिया और उंगली से तेल को उसकी गांड के अंदर तक डाल कर एकदम चिकनी कर दिया।

फिर शीशी बिस्तर पर किनारे रख दिया और एक हाथ से अपना लंड पकड़ा और दूसरे हाथ से ज्योति की गांड को फैला कर सुपारे को सीधा ज्योति की गांड के छेद पर रख दिया।

उसके बाद दोनों हाथों से उसकी कमर अगल-बगल से पकड़ कर धीरे-धीरे लंड को उसकी गांड में डालने लगे।

ज्यादा तो नहीं ... पर दर्द का हल्का सा असर ज्योति के चेहरे पर दिख रहा था।
उसने आंखें बंद किये अपने होठों को दांतों में भींच लिया था।

करीब आधे से ज्यादा लंड ज्योति की गांड में डाल कर अंकल 10-15 सेकेंड के लिए रुके और फिर दोबारा जोर लगा कर पूरा लंड ज्योति की गांड में डाल दिया।

फिर कुछ देर के लिए रुके और हल्का-हल्का अपने कमर को हिला कर उसकी गांड मारने लगे।

ज्योति के मुँह से हल्की-हल्की सिसकारी निकल रही थी।

अब ऐसा लग रहा था कि उसे दर्द से ज्यादा मजा आने लगा था।

वह भी हल्का-हल्का गांड से अपने पापा के लंड पर धक्का मार रही थी।

मैं बेड पर बगल में बैठ चुपचाप देख रही थी।

मेरी चूत में खुजली शुरू हो गई थी।

मैं अपनी जांघ को थोड़ा फैला कर हाथ से अपनी चूत को हिलाने लगी।

उधर ज्योति ने एक हाथ को बिस्तर पर टिकाये दूसरे हाथ से अपनी चूत को तेजी से सहलाती हुई गांड मरा रही थी।

उसके पापा ने भी अपनी स्पीड बढ़ा दी थी।

ज्योति तेजी से सिसकारी ले रही थी- आआ आआआ आहह ह्ह्ह ह्ह्ह्ह ह्ह्ह !

5 मिनट तक ऐसा ही चलता रहा ... अंकल ज्योति की गांड मारते हुए मुझे चूत सहलाती देख रहे थे।

मुझे चूत सहलाती देखकर वे शायद और ज्यादा कामिक हो गए क्योंकि वो तेजी से कमर हिलाते हुए ज्योति की गांड मारने लगे थे और मुझे भी देख जा रहे थे।

यह देख कर मेरी भी उत्तेजना बढ़ गई, मैं बेड पर पीछे की ओर या एक हाथ से कोहनी का टेक लेकर आधा लेट गई और अपनी जांघ को अगल-बगल पूरी फैला कर दूसरे हाथ से अपनी चूत को सहलाने लगी।

अंकल भी दुगुनी स्पीड से अपनी बेटा की गांड मारने लगे थे.

उधर ज्योति कमर को तेजी से हिलाते हुए अपने पापा का लंड गांड में ले रही थी।

ज्योति की सिसकारी तेज होती जा रही थी।

वह तेजी से एक हाथ से अपनी चूत को सहला रही थी- आह हहह हहहह ... पापा पापा पपा ... आआआ आआआ आआ आआ आआह हहह हहहह !

ज्योति की चूत पानी छोड़ने वाली थी शायद !

उसने अपनी दोनों जांघों को एकदम चिपका लिया और फिर दोनों हाथों की कोहनी को बिस्तर पर टिका कर हांफने लगी।

उधर अंकल भी कमर को तेजी से धक्का देते हुए ज्योति की गांड मार रहे थे। वे भी शायद झड़ने वाले थे क्योंकि उन्होंने अपने होठों को दबा लिया था और आंखें बंद कर ज्योति की गांड मारे जा रहे थे।

अचानक झटका लेते हुए ज्योति की गांड को एकदम अपने कमर से चिपका लिया और 'आआ आह्ह्ह्ह ... आआ आह्ह्ह्ह्ह ...' की तेज सिसकारी लेते हुए ज्योति की गांड में ही लंड का सारा पानी निकाल दिया।

ज्योति की गांड में ही अपना लंड डाले ... वे तेजी से हांफ रहे थे और आंखें बंद किये हुए अपनी सांसों पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे।

उधर ज्योति अब थोड़ा नॉर्मल हो रही थी ... अंकल का लंड अभी-भी ज्योति की गांड में ही था।

थोड़ा नॉर्मल होने के बाद अंकल ने ज्योति की गांड से अपना लंड निकाल लिया और बिस्तर के पास आकर एक कपड़े से पहले अपने लंड को साफ किया और फिर ज्योति की गांड को भी कपड़े से पौछ दिया।

अंकल का लंड ढीला होकर लटक रहा था।

ढीला होने के बावजूद अंकल का लंड लंबा और मोटा दिख रहा था।

ज्योति अब सीधा होकर बिस्तर पर मेरे बगल बैठ गई।

इधर मेरी चूत में दोबारा खुजली शुरू हो चुकी थी।

मगर मुझे लग रहा था कि अंकल के लंड से तो आज चूत की खुजली नहीं मिटेगी क्योंकि अंकल दो बार झड़ चुके थे.

एक बार बीवी की चूत में और दूसरी बार बेटी की गांड में!

तो अब तीसरी बार के लिए इतनी जल्दी दोबारा शायद तैयार नहीं हो पायेंगे।

अभी मैं ये सब सोच ही रही थी कि मैंने देखा कि अंकल जो अभी तक चुपचाप खड़े होकर हम दोनों की तरफ देख रहे थे ... अब एक हाथ से अपने लंड को फिर से सहलाने लगे थे।

ज्योति अपने पापा को लंड हिलाते देख कर मजाक में बोली- अब किसकी तैयारी कर रहे हैं पापा ?

फिर मेरी या देख कर आँख मारते हुए कहा- अब अगला शिकार तुम हो गरिमा ... तैयार हो जाओ।

मैं मुस्कुराने लगी।

वहीं किचन से खटर-पटर की आवाज के साथ ही किसी के बात करने की आवाज भी आ रही थी।

मैंने पूछा- आंटी किस से बात कर रही हैं; कोई आया है क्या ?

ज्योति बोली- अरे कामवाली आई है।

मैंने कहा- कमरे में तो नहीं आएंगी ना ?

इस पर ज्योति मुस्कुराती हुई बोली- अरे आ भी गई तो क्या हुआ ... पापा अपनी बंदूक फिर से लोड कर ही रहे हैं ... उसका भी शिकार कर लेंगे।

हम तीनों हंस पड़े।

इधर मेरी चूत की खुजली और बढ़ गई थी।

अंकल मुस्कुराते हुए ज्योति से बोले- अरे अपने सहेली से भी तो पूछ लो उसे क्या पसंद है।

मैं मुस्कुराने लगी तो ज्योति बोली- भाई, तुम्हीं बता दो कि तुम्हें क्या पसंद है।

मैं तो वैसे ही चूत में हो रही खुजली को मिटाना चाह रही थी।

मैंने नखरा दिखाते हुए मुस्कुरा कर कहा- पीछे वाला तो आज रहने दीजिए अंकल, बाकी के लिए मैं तैयार हूं।

अंकल मुस्कुराते हुए बोले- पीछे वाला क्या मतलब बोलो ?

फिर ज्योति से बोले- ज्योति क्या कह रही है तुम्हारी दोस्त ... मुझे तो समझ में नहीं आ रहा।

मैं समझ गई कि Xxx अंकल चुदाई की बात मेरे मुंह से सुनना चाह रहे थे.

तो मैं हंसती हुई बोली- मेरा मतलब आज मेरी गांड को छोड़ दीजिए.

ज्योति अपने पापा से बोली- अरे क्यों परेशान कर रहे हैं उसे पापा ... वैसे भी आज पहला दिन है सब कुछ एक ही दिन में थोड़ी सीख जाएगी बेचारी ... धीरे-धीरे सब सिखा दिया जाएगा.

इतने में अंकल मेरे सामने आकर खड़े हो गए।

वे अभी भी एक हाथ से अपने लंड को पकड़ कर धीरे-धीरे हिला रहे थे। वे शायद अपने लंड को फिर से खड़ा करना चाह रहे थे।

ज्योति मुझसे बोली- भाई, अब अगर तुम्हें मजा लेना है तो पापा की मदद करनी पड़ेगी।

मैं मुस्कुराते हुए मासूमियत से बोली- अरे मैंने कब मन किया है, मैं तो तैयार हूं, करना क्या है, ये तो बताओ ?

इस पर अंकल मेरे एकदम पास आकर लंड को हिला कर बोले- बस इसे फिर से टाइट करना है, जैसा पहले किया था।

मैंने ज्योति की ओर देखा तो ज्योति मुस्कुराती हुई बोली- सिखा तो दिया है ... अब करो।

मैं झुक कर लंड का सुपारा मुँह में लेकर चूसने लगी।

लंड चूसते समय मैंने महसूस किया कि वो थोड़ा ढीला था लेकिन उसमें हल्का-हल्का तनाव आ रहा था।

करीब 2-3 मिनट तक चूसने के बाद अभी लंड पूरा तरह खड़ा नहीं हुआ था।

इधर मेरी चूत की खुजली बढ़ती जा रही थी।

तभी मेरे दिमाग में लंड को खड़ा करने का एक नया तरीका आया जिससे लंड भी खड़ा हो जाएगा और मेरी कुलबुलाती चूत को भी थोड़ा आराम मिलेगा।

मैं लंड चूसना छोड़ कर बिस्तर से उठ गई और अंकल के ठीक सामने उनकी या मुँह करे एकदम चिपक कर खड़ी हो गई।

फिर एक हाथ से उनका लंड पकड़ा और अपनी जांघों को हल्का सा फैलाते हुए कमर को आगे कर दिया या करके खड़े-खड़े लंड को अपनी चूत से रगड़ने लगी।

अंकल को शायद इसमें ज्यादा मजा आने लगा था और थोड़ी ही देर में उनका लंड एकदम लोहे की तरह कड़ा और खड़ा हो गया।

दरअसल यह ट्रिक मुझे मेरे छोटे भाई सोनू ने सिखाई थी।

होता क्या था कि मुझे लंड चुनने में और उसका गाढ़ा नमकीन पानी पीने में बहुत मजा आता था।

तो जब तक वो मेरे मुँह में नहीं आया, तब तक सोनू का लंड झड़ जाता था और फिर मेरे लंड का सारा गाढ़ा-गाढ़ा और स्वादिष्ट नमकीन पानी पी जाती थी।

मगर चूत चुदवाने के लिए लंड को दोबारा खड़ा करना होता था तो सोनू अक्सर इसी तरह खड़े होकर अपने लंड को मेरी चूत से रगड़ता था जिससे थोड़ी देर में उसका लंड दोबारा खड़ा हो जाता था.

इसमें मुझे भी बहुत मजा आता था इसलिए मैं अक्सर सोनू के लंड को खड़े होकर अपनी चूत से रगड़ती थी।

इधर मेरी चूत एकदम गीली हो चुकी थी और चूत का पानी अंकल के लंड पर लग गया था।

अंकल समझ गए थे कि मैं चुदासी हो चुकी हूँ।

वे मुझसे बोले- हो गया बेटा ... अब पीछे घूम जाओ और बिस्तर का टेक लेकर खड़ी हो जाओ।

मैंने अपने दोनों हाथों को बिस्तर पर टिका दिया और झुक कर खड़ी हो गई।

अंकल ठीक मेरे पीछे आकर खड़े हो गए उनका लंड मेरी गांड से टकरा रहा था।

मैं बोली- अंकल, प्लीज गांड मुझे मत डालियेगा।

अंकल ने बिना कुछ बोले लंड को मेरी चूत के मुँह पर रख दिया और एक ही धक्के में आधा लंड मेरी चूत में घुसेड़ दिया।

मेरे मुँह से हल्की सी चीख निकल गई- आआआ आआह्ह !

मैं बोली- धीरे से अंकल ... आआ आआह्ह !

अंकल धीरे-धीरे अपने कमरे को हिला कर मुझे चोदने लगे और कुछ ही देर पूरा लंड मेरी चूत में डाल दिया।

दरअसल सोनू के बाहर जाने के बाद से आज करीब 4-5 महीने के बाद मेरी चूत में कोई लंड घुसा था, इसलिए थोड़ा दर्द हुआ।

मगर 1-2 मिनट की चुदाई के बाद मेरा भी दर्द खत्म हो गया और मैं भी गांड उछाल-उछल कर चुदवाने लगी, Xxx अंकल चुदाई का मजा लेने लगी.

ज्योति चुपचाप बैठी अपने पापा को मेरी चुदाई करते हुए देख रही थी।

करीब 4-5 मिनट की चुदाई के बाद मुझे ऐसा लगा कि सारा खून मेरी चूत की तरफ आ रहा हो ... मेरी चूत से पानी निकलने वाला था।

मैं तेजी से अपनी कमर से अंकल के लंड पर धक्के मारते हुए सिसकारी लेने लगी- आआ आआआ आअह्ह ह्हहह ... आआ आआ आआआ आआआ !

उधर अंकल ने भी अपनी स्पीड दोगुनी कर दी थी ... शायद वे भी झड़ने वाले थे।

मैं तेजी से सिसकारी ले रही थी- आआआ आआ आआआ जा रहा है ... आआआ आआस्स्स स्स्स् स्शश !

और अचानक मैं अपनी कमर को तेज झटका देने लगी।

मेरी चूत ने पानी छोड़ दिया।

वहीं अंकल अभी भी तेजी से मुझे चोद रहे थे।

उनके मुँह से भी सिसकारी निकल रही थी- बस्स शस्शसस ... बेटा ... आहह हहह !

इसके बाद वे तेजी से अपनी कमर को झटका देते हुए मेरी चूत में ही झड़ गए।

इधर मैं तेजी से हाँफ रही थी, उधर अंकल मेरी पीठ पर हाथ अपना सिर रख कर हाँफ रहे थे।

उनका लंड अभी भी मेरी चूत में ही था.

उनके लंड का गाढ़ा पानी चूत से निकल कर मेरी जांघ पर भी रिस रहा था।

थोड़ी देर बाद अंकल सीधे खड़े हो गए और मेरी चूत से अपने लंड को निकाल लिया और बिस्तर पर जाकर बैठ गए।

मैं भी सीधी होकर बिस्तर पर बैठ गई और कपड़े से अपनी चूत और जाँघों को साफ किया।

फिर हम तीनों कपड़े पहनने लगे.

अभी हम कपड़े पहन ही रहे थे, इतने में दरवाजा खोल कर आंटी कमरे में आ गई।

हम तीनों को कपड़ा पहनते देख कर बोली- अरे वाह, बड़ी जल्दी काम हो गया तुम लोगों का। मुझे तो लगा अभी फिल्म चल रही होगी. मगर यहां तो फिल्म खत्म हो चुकी है। सब हंस दिये.

फिर वे अंकल से बोलीं- आपके ऑफिस से दो बार फोन आ चुका है।

ये सुनते ही अंकल बोले- ओहू ओ ... अब तुम बैठो मैं चलता हूँ.

और वे कमरे से बाहर निकल गए।

आंटी बोलीं- हां, काम तो हो ही गया. अब निकल लो और क्या!

हम सब हंस दिये.

फिर आंटी मुस्कुराती हुई मुझसे बोली- क्यों बेटी, कुछ मजा आया ?

अभी मैं कुछ कहती ... तभी ज्योति बोली- हां अभी ट्रेनिंग चल रही है.

इस पर आंटी हंसती हुई बोली- कोई बात नहीं, ज्योति धीरे-धीरे सब सिखा देगी।

हम तीनों हंस दिये।

मुझे भी घर के लिए देर हो रही थी इसलिए मैं तुरंत घर के लिए चल दी।

रास्ते में मैं सोच रही थी कि कहां अभी 2-3 दिन पहले तक मैं एक लंड के दर्शन के लिए तरस रही थी, वहीं पिछले दो दिनों में 2-2 लंड के दर्शन हो गये.

जिनसे एक का अभी-अभी चूत और मुंह में स्वाद भी लेकर आ रही हूं।

तो दोस्तो, कैसी लगी मेरी ये Xxx अंकल चुदाई स्टोरी ?

मुझे कमेंट्स में जरूर बताइयेगा.

अगली कहानी में एक और नये लण्ड की एन्ट्री होगी ... तब तक थोड़ा इंतज़ार कीजिए.

Other stories you may be interested in

पड़ोसी अंकल के साथ थ्रीसम चुदाई का मजा

थ्रीसम डर्टी सेक्स का मजा मैंने अपने पड़ोस के एक अंकल और उनके एक दोस्त के साथ लिया. अंकल के बड़े लंड से मैं अक्सर चुदती थी पर उस दिन उनका दोस्त भी साथ था. यह कहानी सुनें. फ्रेंड्स, मैं [...]

[Full Story >>>](#)

मामा से परेशान मामी को प्यार से चोदा

इंडियन लेडी सेक्स कहानी में मैंने अपनी भोली सीधी सादी मामी को प्यार जता कर चोदा. मेरी मामी देसी ब्यूटी थी. लेकिन मामा उनसे दुर्व्यवहार करते थे. दोस्तो, कैसे हैं आप सब ... आशा करता हूं कि आप सब ठीक [...]

[Full Story >>>](#)

भाई से चूत चटवा कर शांति मिली

गरम चूत का इलाज मेरे भाई ने मेरी चूत चाट कर सड़क किनारे की झाड़ियों में! पापा के दोस्त की गोद में बैठ कर उनका लंड मेरी गांड में चुभने से मैं गर्म हो गयी थी. यह कहानी सुनें. मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

पापा के साथ मिलकर मौसी की चुदाई

खेत चुदाई देसी मौसी की मैंने और मेरे पापा ने एक साथ की. यह पूरी योजना मौसी की ही बनाई हुई थी. वह एक साथ दो लंड से चुदाई का मजा लेना चाहती थी. मेरा नाम प्रशांत है. आपने मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

पापा के दोस्त के साथ मस्ती- 2

ठरकी अंकल के घर में आ गयी मैं अपने भाई और सहेली को लेकर ... वे दोनों आपस में चुदाई करना चाहते थे और हमारे पास कोई जगह नहीं थी. इसी के साथ मेरी सेटिंग भी हो गयी अंकल के [...]

[Full Story >>>](#)

